

## पद २७३

(रागः पिलु – तालः धुमाळी)

माई मोरा दिल लगा प्यारे बन्सीवालेसे ॥ध्रु.॥ मानिकके प्रभु  
गोकुलवासी । पूर्णब्रह्म गिरिवरधारीसे ॥१॥